जीविका
ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार

जीविका समाचार पत्रिका

।। माह – अगस्त 2024 ।। अंक – 49 ।। केवल आंतरिक वितरण हेतु।।

अन्दर के पृष्ठों में...

जीविका की मदद एवं अपनी मेहनत से पाया ऊँचा मुकाम (पृष्ठ – 02)

उद्यम से मुन्नी के जीवन में आया नवविहान (पृष्ठ – 03)

किसान दीदियों को सशक्त के लिए प्रयासरत नवादा जीविका महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी (पृष्ठ – 04)

पर्यावरण संतुलन के लिए सामुदायिक संकल्प

जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण में असंतुलन की वजह से पिछले कई वर्षों से भीषण गर्मी एवं पानी की किल्लत जैसी समस्याएँ सामने आ रही हैं। ऐसे में जीविका दीदियों ने पर्यावरण संतुलन को बनाये रखने को एक चुनौती के रूप में लिया है। इसके लिए जीविका दीदियाँ प्रत्येक वर्ष बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर रही हैं। साथ ही साथ पौधों की नियमित देखभाल कर उसे जीवित भी रख रही हैं। इससे न केवल पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में मदद मिल रही है, साथ ही जीविका दीदियों के लिए आय प्राप्ति का साधन भी सृजित हुआ है।

दरअसल जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए बिहार सरकार ने जल–जीवन–हरियाली अभियान की शुरुआत की थी। इसके अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष 5 करोड़ से ज्यादा पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी कड़ी में जीविका द्वारा 'हरित जीविका–हरित बिहार' अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक जीविका दीदियों को हरेक वर्ष कम से कम एक–एक पौधा लगाने के लिए प्रोत्साहित एवं प्रशिक्षित किया गया है। 'एक दीदी–एक पौधा' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए जीविका दीदियाँ अब प्रत्येक वर्ष बड़े पैमाने पर पौधारोपण करती हैं। इस वर्ष भी पौधारोपण की कवायद शुरू कर दी गई है। 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ही इस अभियान की औपचारिक शुरुआत कर दी गई थी। इसके बाद जीविका दीदियों ने बड़े पैमाने पर गड्ढा खोदो अभियान चलाया। अब वे इन गड्ढों में पौधे लगा रही हैं। अगस्त 2024 तक चलने वाले इस अभियान में जीविका द्वारा तकरीबन एक करोड़ से ज्यादा पौधा लगाने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। खास बात यह है कि जीविका दीदियों द्वारा लगाए जाने वाले इन पौधों की आपूर्ति पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा की जा रही है। हालांकि पौधारोपण के इस विशाल लक्ष्य की प्राप्ति हेतु पौधों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती थी। जीविका दीदियों ने इस चुनौती को भी स्वीकार करते हुए पर्याप्त संख्या में पौधों की आपूर्ति सुनिश्चित की है। इसके लिए मुख्यमंत्री निजी पौधशाला योजना अन्तर्गत जीविका दीदियों द्वारा दीदी की नर्सरी संचालित की जा रही है। मनरेगा तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर जीविका दीदी की नर्सरी संचालित की जा रही है। योजना के तहत प्रत्येक नर्सरी में 20 हजार से अधिक पौधे तैयार किये जा रहे हैं। जीविका दीदी की नर्सरी में तैयार पौधे पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एवं मनरेगा द्वारा खरीद लिये जाते हैं। दीदी की नर्सरी से एक ओर जहाँ पौधारोपण हेतु पर्याप्त संख्या में पौधों की आपूर्ति की जा रही है तो वहीं इन पौधों की बिक्री से दीदियों को अच्छी आमदनी भी हो रही है। यही कारण है कि दीदी की नर्सरी आज एक लाभदायक गतिविधि साबित हो रही है। राज्य में इस समय 867 दीदी की नर्सरी जीविका दीदियों द्वारा संचालित की जा रही है। वहीं जीविका दीदियों द्वारा अब तक 3.27 करोड़ पौधारोपण किया गया है।

पर्यावरण संतुलन एवं जीविका दीदियों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना से जुड़कर जीविका दीदियाँ आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। वहीं इससे राज्य में हरित आवरण बढ़ाने में भी मदद मिल रही है। परिणामस्वरूप आज राज्य में सड़क किनारे, तालाब के किनारे, सार्वजनिक स्थानों पर और लोगों के घरों के आस–पास एवं खेतों में बड़े पैमाने पर पौधे लगाए जा रहे हैं। इससे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ–साथ जल संचयन में भी मदद मिल रही है।

इस प्रकार बिहार के सामाजिक एवं आर्थिक परिवेश में सकारात्मक बदलाव लाने वाली जीविका दीदियाँ अब पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में भी महती भूमिका निभा रही हैं। जीविका दीदियों की जागरूकता एवं सक्रियता से राज्य में हरित आवरण बढ़ाने में मदद मिल रही है। पर्यावरण संतुलन को लेकर जीविका दीदियों का यह संकल्प हमारे राज्य को एक नए मुकाम की ओर ले जाएगा।

जीविका की मदद एवं अपनी मेहनत से पाया ऊँचा मुकाम

भागलपुर जिला के शाहकुंड प्रखंड अन्तर्गत दीनदयालपुर पंचायत की रहने वाली झुना देवी ने जीविका के प्रोत्साहन एवं सहयोग से खाद्य प्रसंस्करण उद्यम के क्षेत्र में अपनी पहचान बनायी है। आज वह अपनी मेहनत और लगन से इस उद्यम का सफलतापूर्वक संचालन कर रही है। इसके अलावा उन्होंने अपने उद्यम में कई लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करायी है।

एक सामान्य गृहिणी से उद्यमी बनना कोई आसान काम नहीं था। इसके पीछे उनके संघर्ष और साहस की दास्तान छिपी है। दरअसल झुना देवी का परिवार पहले दयनीय स्थिति में जीवन–यापन कर रहा था। ऐसे में परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए वह स्वरोजगार का रास्ता तालाश रही थी। झुना देवी वर्ष 2017 से गुलाब जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी थी। इसके बाद वर्ष 2018 में उन्होंने समूह से 30 हजार रुपये ऋण लेकर स्थानीय चौक पर लिट्टी, समोसा, नास्ता बनाने का व्यवसाय शुरू किया। इस व्यवसाय से उन्हें प्रतिदिन 300 से 400 रुपये की आय होने लगी। इस आमदनी से झुना देवी के परिवार की स्थिति में सुधार हुआ। इसके अलावा उनमें उद्यमशीलता, हौसला और साहस भी आया। अब वह कोई नया काम करना चाहती थी। इसी सोच के साथ उन्होंने अपने घर पर चटोरी नमकीन बनाने का उद्यम स्थापित करने का विचार किया। चूँकि झुना के पति पहले दिल्ली में इसी प्रकार की कंपनी में कार्य करते थे। ऐसे में उन्हें इस उद्यम के बारे में थोड़ी जानकारी थी। इसके बाद इन्होंने अक्टूबर 2020 में समूह से एक लाख रुपये ऋण लेकर उद्यम लगाने की दिशा में कदम बढ़ाया। झुना दीदी बताती हैं, 'समूह से ऋण लेकर हमने हैदराबाद से मशीन मंगवाया और छोटे पैमाने पर यह काम प्रारंभ किया। शुरुआत में कई प्रकार की तकनीकी समस्याएँ आ रही थीं। लेकिन धीरे–धीरे इसका समाधान निकला। अब हम सफलतापूर्वक चटोरे नमकीन का उत्पादन और बिक्री कर रहे हैं।' झुना देवी अपने इस उद्यम से प्रतिदिन औसतन 500 से 700 रुपये का मुनाफा अर्जित कर रही है। इसके अलावा उन्होंने इस उद्यम में तीन से चार लोगों को रोजगार भी उपलब्ध करायी है। इस प्रकार झुना देवी की उद्यमिता ने रोजगार के अवसरों का सृजन किया है।

ब्यूटी पार्लर और सिलाई-कढ़ाई से हो रही अच्छी कमाई

औरंगाबाद जिला अंतर्गत कुटुंबा प्रखंड की सविता देवी की जिंदगी जीविका समूह से जुड़ने के बाद पूरी तरह बदल गई है। सविता देवी पहले आर्थिक तंगी के कारण परेशान और चिंतित रहती थी। लेकिन जीविका ने उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर उनकी जिंदगी में रोशनी लाने का काम किया है। वर्ष 2017 में जीविका समूह से जुड़ने के बाद अपनी जिंदगी में बदलाव महसूस करने वाली सविता देवी बताती है, 'जय जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़कर मैंने ब्यूटी पार्लर खोलने के लिए पहली बार पैंतालीस हजार रुपए का कर्ज लिया था। इससे मैंने गाँव के स्थानीय बाजार में ब्यूटी पार्लर का काम शुरू किया। अब मैं इससे अच्छी आय अर्जित कर रही हूँ और आत्मनिर्भर भी बन गयी हूँ।'

वह बताती है कि शुरुआत में तो थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा लेकिन धीरे–धीरे समूह की दीदियों के सहयोग से व्यवसाय चलने लगा। अब इससे अच्छी आमदनी अर्जित हो रही है। यह व्यवसाय शुरू करने से सविता देवी के परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

सविता देवी के पति पहले गाँव में ही मजदूरी करते थे। नियमित काम नहीं मिलने के कारण और आमदनी कम होने से उनके परिवार को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता था। इससे परिवार में बिखराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। मगर सही समय पर जीविका का सहयोग मिलने से उनका परिवार अब तरक्की के राह पर अग्रसर है।

सविता देवी बताती हैं, 'मैंने पहले ही ब्यूटीशियन का कोर्स किया था। इसलिए मैं अपना ब्यूटी पार्लर खोलना चाहती थी। लेकिन पूँजी के अभाव में मैं ऐसा नहीं कर पा रही थी। जीविका समूह में जुड़ने के बाद मेरे लिए पूँजी की उपलब्धता आसान हुई। मैंने समूह से 45 हजार रुपये ऋण लेकर ब्यूटी पार्लर शुरू किया। इसके कुछ दिनों के बाद पुन: 50 हजार रुपये ऋण लेकर मैं सिलाई–कढ़ाई का भी काम करने लगी। अब दोनों कामों से मुझे प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपये की आमदनी हो जाती है।' बह कहती है कि जीविका की वजह से मेरे परिवार पर छाए संकट के बादल दूर हो गए हैं।

उद्यम से मुन्नी के जीवन में आया नवविहान

मुन्नी देवी बेगूसराय जिला के बरौनी प्रखंड अंतर्गत पिपरा देवस, नवाटोल की रहने वाली है। मुन्नी देवी वर्ष 2015 से सितारा जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी है। जीविका समूह से जुड़ाव के पूर्व वह एक सामान्य गृहिणी थी और अपने पति की मजदूरी से होने वाली आय से किसी प्रकार अपने परिवार का भरण–पोषण करती थी। सितारा जीविका स्वयं सहायता समूह एवं संस्कार जीविका महिला ग्राम संगठन की गतिविधियों में सक्रियता से भाग लेने के कारण उनका आत्मविश्वास बढ़ा। जिसके बाद मुन्नी देवी खुद एवं अपने परिवार के जीवन को बेहतर बनाने के बारे में सोचने लगी।

समय के साथ उन्हें जीविका से कई नई जानकारियाँ हासिल हुई। उन्होंने आर्थिक सशक्तिकरण के लिए समूह से कई मौकों पर ऋण लिया और अपने कार्य को पूर्ण किया। लेकिन मुन्नी कुछ नया करना चाह रही थी। इसी बीच प्रारंभिक प्रशिक्षण एवं जानकारी के बाद मुन्नी देवी गैर कृषि गतिविधि के तहत फुटबॉल, नेकगार्ड, पिल्लो, आई गार्ड आदि बनाने का कार्य करने लगी। शुरू में थोड़ी कठिनाई के बाद उनके कार्य को गति मिली। वर्तमान में वह अपने उत्पाद को बंगलोर की 'ओरिका' कंपनी को उपलब्ध करा रही है। इस उद्यम से मुन्नी को प्रतिमाह लगभग 8 से 10 हजार रुपये की आमदनी हो रही है। इस कार्य में उन्हें जीविका का भरपूर सहयोग मिला। समूह से 80 हजार रुपये ऋण की मदद से मुन्नी ने अपने व्यवसाय को आकार दिया।

मुन्नी देवी बताती हैं, 'आज मेरे व्यवसाय के कारण मेरी अपनी अलग पहचान बनी है। आज मैं अपने व्यवसाय का सफलतापूर्वक संचालन कर रही हूँ।' वह आगे कहती हैं, 'जीविका के कारण मेरी आर्थिक स्थिति में बदलाव हुआ है। इसके अलावा मेरे अंदर निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित हुई है।' वह अपने व्यवसाय को और भी ज्यादा ऊँचाई पर ले जाना चाहती है। मुन्नी की लगन एवं मेहनत को देखकर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आने वाले दिनों में वह सफलता का नया मुकाम हासिल करेंगी।

मत्स्य पालन कर आत्मनिर्भर हुई रीना देवी

मुजफ्फरपुर जिले के मरवन प्रखंड की रीना देवी की आर्थिक और सामाजिक स्थिति बेहद दयनीय थी। रीना देवी के पास आय का कोई स्थायी साधन नही था जिससे पांच बच्चों और सास–ससुर सहित कुल 9 सदस्यों का भरण–पोषण हो सके। पति के साथ दिहाड़ी मजदूरी करके वे बहुत मुश्किल से अपने परिवार का गुजारा कर रही थीं।

रीना देवी वर्ष 2014 में पार्वती जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें जीविकोपार्जन गतिविधियों के संचालन, स्वास्थ्य एवं पोषण सहित कई विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिससे उनके जीवन में कई बदलाव आए। समूह से ऋण लेकर गाय पालन करने लगी जिससे उन्हें लाभ होने लगा। कुछ समय बाद पट्टे पर जमीन लेकर खेती करने लगी और बकरी पालन का कार्य भी शुरू की। साथ ही नजदीकी हाट में मछली बेचने का काम करने लगी। रीना देवी के पति अपने 3 अन्य साथियों के साथ मिलकर किराये पर तालाब लेकर मछली पालन के काम करने लगे। हालाँकि मछली पालन के तकनीकी ज्ञान नहीं होने की वजह से उत्पादन सही से नहीं हुआ।

रीना देवी वर्ष 2021 में सही तरीके से मछली पालन करने हेतु शक्ति जीविका महिला मत्स्य उत्पादक समूह से जुड़ीं। यहाँ उन्हें और उनके पति को मछली पालन की तकनीकों पर प्रशिक्षण मिला। इन तकनीकों का उपयोग रीना देवी ने मछली पालन में किया जिससे मछली के उत्पादन में पहले से काफी वृद्धि हुई। साथ ही, मछली खाने के फायदे जानकर मोला और पोठिया जैसी छोटी मछली का पालन एवं उपयोग नियमित करने लगी जिससे परिवार के पोषण में भी सुधार हुआ।

वर्तमान में रीना देवी को मछली पालन एवं मवेशी पालन के व्यवसाय से प्रत्येक महीने लगभग 20–25 हजार रुपए की आमदनी हो जाती है। वह अपने बच्चों की अच्छी शिक्षा दिला रही हैं। इनकी बेटी दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना से प्रशिक्षण प्राप्त कर बैंगलोर में कार्य कर रही है। जीविका समूह और शक्ति जीविका महिला मत्स्य उत्पादक समूह में जुड़ने से रीना देवी का सामाजिक दायरा भी बढ़ा है। अपनी जिंदगी में आए इन बदलावों से रीना देवी और उनका परिवार काफी खुश है।

किसान दीदियों को सशक्त के लिए प्रयासरत नवादा जीविका महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी

नवादा जिला में जीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़े अधिकतर परिवार कृषि पर आश्रित हैं। इनमें से अधिकतर परिवार या तो छोटे या सीमांत किसान हैं या वे दूसरे के खेतों में मजदूरी करते हैं। छोटे एवं सीमांत महिला किसानों को संगठित करने, उन्हें क्षमतावान बनाने तथा खेती से उनकी आय बढ़ाने के मकसद से जिले में जीविका महिला उत्पादक समूहों एवं जीविका महिला उत्पादक कंपनी का गठन किया गया है। इसके माध्यम से किसानों को उचित मूल्य पर खाद–बीज उपलब्ध कराया जा रहा है एवं उनके कृषि उत्पादों को उचित मूल्य दिलवाया जा रहा है।

इसी कड़ी में 9 अगस्त 2021 को नवादा जिला में जीविका दीदियों द्वारा 'नवादा जीविका महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड, सिरदला' का गठन किया गया है। इसे कंपनी (संशोधन) अधिनियम –2002 के तहत पंजीकृत किया गया है। सिरदला के अलावा रजौली एवं नरहट प्रखंड के जीविका समूहों से जुड़ी 806 किसान दीदियाँ इस कंपनी की शेयर धारक हैं। इस कंपनी का संचालन भी जीविका दीदियों द्वारा ही किया जा रहा है। कंपनी से जुड़ने की वजह से इन महिला किसानों को बिचौलियों से मुक्ति दिलाने के साथ–साथ उन्हें कई प्रकार के लाभ प्रदान किये जा रहे हैं।

इस उत्पादक कंपनी का गठन निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ किया गया है :–

- कंपनी से जुड़ी किसान दीदियों की आय दोगुनी करना।
- किसानों को उचित कीमत पर खाद और बीज उपलब्धता सुनिश्चित करवाना।
- किसान दीदियों द्वारा उत्पादित फसलों को सही कीमत दिलाना।
- समूह के माध्यम से कंपनी से जुड़े किसान परिवारों का क्षमतावर्धन करना।
- कृषि की उन्नत विधि एवं नई तकनीक के प्रयोग को बढ़ावा देना।
- किसान दीदियों को कृषि से जुड़ी सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करना।
- किसान दीदियों को बिचौलियों से छुटकारा दिलाना।
- कंपनी द्वारा बीज का उत्पादन एवं विपणन का कार्य करना।
- व्यापार तकनीक बढ़ाने के लिए विभिन्न तकनीकी अभिकरणों से सामंजस्य स्थापित करना।

साल दर साल कंपनी का बढ़ रहा कारोबार :–

वित्तीय वर्ष 2022–23 में इस कंपनी के द्वारा जीविका समूह से सम्बद्ध किसान दीदियों द्वारा उत्पादित गेहूँ की खरीद–बिक्री के साथ कारोबार की शुरुआत की गई थी। इससे किसानों को गेहूँ की उचित कीमत मिली। क्रय की गई गेहूँ का पूरा पैसा कंपनी द्वारा महज दो से तीन दिनों में ही किसानों के बैंक खाता में भेज दिया गया था। ऐसे में किसानों को अपने उत्पादों को बिचौलियों के हाथों औने–पौने दाम पर नहीं बेचना पड़ा था। अब गेहूँ के अलावा धान एवं अन्य कृषि उत्पादों की भी खरीद–बिक्री इस कंपनी द्वारा की जा रही है। इससे किसानों को उनकी उपज की अच्छी कीमत मिल रही है और उनकी आय में बढ़ोतरी भी हो रही है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024–25 में कंपनी द्वारा जिंक युक्त बायोफोर्टिफाईड बीज मंगवाकर किसान दीदियों को सही मूल्य पर उपलब्ध कराया गया है। इसका उद्देश्य दीदियों के बीच जिंक की कमी को दूर करना है। कंपनी द्वारा उन्नत किस्म एवं बेहतर गुणवत्ता वाले धान, मूंग और सब्जियों के बीज मंगवाकर दीदियों को बाजार से कम कीमत पर उपलब्ध करवाया गया है। नवादा जिला के सात प्रखंडों यथा सिरदला, रजौली, नरहट, रोह, नवादा सदर,नारदीगंज एवं हिसुआ के जीविका समूह से जुड़ी 2152 दीदियों ने किचेन गार्डेन लगाने के लिए सब्जियों के बीज की खरीदारी इस कंपनी से की हैं।

नवादा जीविका महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड की व्यवसायिक विवरणी

क्रम संख्या	वित्तीय वर्ष	कृषि उत्पाद एवं सामग्री	क्रय उत्पाद की मात्रा (किलोग्राम में)	क्रय राशि (रुपये में)	विक्रय राशि (रुपये में)	लाभ (रुपये में)
1	2022–2023	गेहूँ	9,662	1,93,130	2,22,226	29,096
2	2023–2024	धान	20,382	4,36,299	4,48,273	11,974.50
3	2024–2025 में अब तक	धान	1,530	36,720	35,649	1,071
4		धान का बीज	744	96,888	1,01,450	4,562
5		मूंग का बीज	50	7,500	6,900	600
6		सब्जियों के बीज	132	73,410	1,06,850	33,440
7		गेहूँ	15,062	3,52,402	गोदाम में स्टॉक है	

जीविका, बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति, विद्युत भवन – 2, बेली रोड, पटना – 800021, वेबसाइट : www.brlps.in

संपादकीय टीम
- श्रीमती महुआ राय चौधरी –कार्यक्रम समन्वयक (जी.के.एम.)
- श्री पवन कुमार प्रियदर्शी – परियोजना प्रबंधक (संचार)

संकलन टीम
- श्री विकास राव – प्रबंधक संचार, भागलपुर
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, नवादा
- श्री रौशन कुमार – प्रबंधक संचार, लखीसराय
- श्री बिप्लब सरकार – प्रबंधक संचार